प्रेस विज्ञप्ति

गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सरहुल पर्व : प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक एकता का उत्सव

पंतनगर। 13 अप्रैल 2025। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने विश्वविद्यालय फार्म पर आदिवासी समाज द्वारा आयोजित सरहुल पर्व में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कुलपति जी ने सभी आदिवासी भाई–बहनों को सरहुल पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज मुझे यह सुखद अवसर प्राप्त हुआ कि मैंने आदिवासी समाज के महत्वपूर्ण पर्व 'सरहुल' में सहभागिता की। यह पर्व न केवल प्रकृति के प्रति आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक एकता का भी उत्सव है। सरहुल हमें यह सिखाता है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही सतत् जीवन का आधार है। इस पर्व में साल वृक्ष के फूलों की पूजा कर, धरती माता और प्रकृति को धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है। इस पावन अवसर पर मैं आदिवासी समाज के समस्त भाइयों–बहनों को सरहुल पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। ईश्वर करे यह पर्व सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और नव ऊर्जा का संचार करें।

ई–मेल चित्र सं. 1: आदिवासी समाज के साथ सरहुल पर्व मनाते हुए कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

कुलपति द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

आज प्रातः कुलपति जी द्वारा शहीद चौराहे पर 1978 की घटना में मारे गए शहीदों को भी फूल की माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी गयी।

ई–मेल चित्र सं. 2: शहीद चौराहे पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।